Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 29 September 2024

Dainik Jagran
Page - 02

युवाओं की मदद के लिए तत्पर रहता है मेधा : प्रो.पूनम टंडन

गोरखपुरः विश्वविद्यालय गोरखपुर की कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि मेधा युवाओं की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर है। इनके कार्य सराहनीय हैं। अन्य संस्थाओं को इनके कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

वह शनिवार को गोवि और मेधा के बीच 10 वर्षों के सहयोग के उत्सव सफरनामा को संबोधित कर रहीं थीं। पूर्व कुलपति प्रोफेसर अशोक कुमार ने मेधा करियर सेंटर के उद्घाटन के पल याद करते हुए समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। मेधा के सह-संस्थापक व्योमकेश मिश्रा ने गोरखपुर में मेधा के पहले कदमों से लेकर 2600 से अधिक छात्रों को कौशल प्रदान करने की यात्रा साझा की। करियर काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो.आलोक कुमार गोयल ने आभार ज्ञापित किया।-विज्ञप्ति

जीर्णोद्धार से बदलेगा गोवि के अतिथि गृह का कलेवर

गोरखपुर विश्वविद्यालय का गेस्ट हाउस • जागरण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन का अतिथि गृह का कलेवर बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। एक अक्टूबर से जीर्णोद्धार का कार्य शुरू होगा, जिस पर 75 लाख रुपये खर्च होंगे। गोवि प्रशासन ने इसके लिए टेंडर कई कार्यदायी संस्थाओं को सौंपा है, ताकि जल्द से कार्य पूर्ण हो सके। जीर्णोद्धार होने तक अतिथि गृह विवि के मैत्रेय छात्रावास में शिफ्ट होगा। कार्य पूर्ण करने के लिए गोवि प्रशासन ने 18 दिनों का लक्ष्य रखा गया है। विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में कुल 54 कमरे हैं। इनमें 27 कमरे वातानुकूलित हैं। एक वाइस चांसलर और एक चांसलर सूट के अलावा एक कैंटीन, एक मीटिंग हाल और एक सेलेक्शन हाल भी अतिथि गृह का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विश्वविद्यालय में होटल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम शुरू होने के बाद इस अतिथि गृह को पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए प्रयोगशाला के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। चूंकि अतिथि गृह छह दशक पुराना है, इसलिए कई बार जीर्णोद्धार के बाद सीलन जैसी समस्या बनी रहती है। इसके चलते कई कमरे सुविधायुक्त होने के बाद भी जर्जर से दिखने लगे थे। ऐसे में विश्वविद्यालय ने इसके जीर्णोद्धार की योजना बनाई है। इसके लिए निर्धारित धनराशि से विश्वविद्यालय प्रशासन सीलन की समस्या के समाधान के लिए पानी निकासी के पुराने पाइप को बदलवाएगा। साथ ही उसकी वजह से जर्जर हो चुके कमरों का जीर्णोद्धार कराएगा।

> अतिथि गृह के जीर्णोद्धार के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पूरी कोशिश होगी कि अतिथि गृह को होटल जैसा बनाया जाए और इसकी सुविधाएं और बढ़ाई जाएं। -प्रो.पूनम टंडन, कुलपति, गोवि

कैंसर के प्रति हर व्यक्ति को सचेत होने की जरूरत

गोरखपुरः दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.अशोक कुमार ने कहा कि आज पूरे विश्व में कैंसर से ग्रसित लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। एक लाख में 90 शहरी व 40 से 45 लोग ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर से पीड़ित हैं। ऐसे में हर व्यक्ति को कैंसर के प्रति सचेत होने की जरूरत है।

वह शनिवार को गोवि के प्राणी विज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कैंसर के कारण, लक्षण, विश्लेषण, निदान एवं रोकथाम पर विस्तार से जानकारी दी। बताया कि कैंसर के 100 से ज्यादा प्रकार हैं। स्वास्थ्य सेवा प्रदाता उन्हें आपके शरीर में कहां से शुरू होते हैं और किस तरह के उत्तकों को प्रभावित करते हैं, उसके अनुसार वर्गीकृत करते हैं। उन्होंने कहा कि 20 साल पहले की तुलना में अब कैंसर से कम लोग मर रहे हैं। प्रारंभिक पहचान व नवीन तकनीक से उपचार कैंसर को ठीक कर रहे हैं। इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रो.रविकांत उपाध्याय, प्रो.अजय सिंह, प्रो.वीना बत्रा कुशवाहा, प्रो.विनय सिंह, प्रो.उमेश नाथ त्रिपाठी, प्रो. दिनेश यादव, प्रो.शिवाकांत सिंह, प्रो.सुनील आदि मौजूद रहे। (विज्ञप्ति)

आठ एनसीसी कैडेट्स भारतीय सेना में चयनित

गोरखपुर : गोवि में 44वीं वाहिनी एनसीसी ईकाई के आठ कैडेट्स भारतीय सेना में चयनित हुए हैं। चयनित कैडेट्स में विवेक जायसवाल, हिमांशु, युवराज सिंह, शिव कुमार सहनी, विशाल यादव, मोहित कुमार, रोहन पासवान और बृजेश गुप्ता शामिल हैं। कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कैडेट्स को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण बताया। एनसीसी प्रभारी प्रो. (कैप्टन) दिग्विजय नाथ और डा.(लेफ्टिनेंट) अनुपम सिंह ने भी कैडेट्स को शुभकामनाएं दी। कहा कि यह उपलब्धि कैडेट्स के मेहनत एवं एनसीसी के उत्कृष्ट प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास के प्रयासों को दर्शाती है।-विज्ञप्ति

गोवि के हिंदी विभाग में प्रो.वशिष्ठ अनूप के गजलों ने बांधा समां

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में काशी हिंदी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप ने शनिवार को अपनी गजल की प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वे गोवि के हिंदी विभाग में पीएचडी का साक्षात्कार लेने आए थे।

प्रो. वशिष्ठ ने साक्षात्कार के बाद विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश गुप्त के आग्रह पर एक के बाद एक गजलों की प्रस्तुति कर समां बांध दिया। उन्होंने सबसे पहले 'हर समय जीतने का चढ़ा था नशा, अपने बच्चों से हारा तो अच्छा लगा', 'बड़े दिख रहे हैं वे कंधों पे चढ़के, जो सचमुच बड़े हैं वे झुककर खड़े हैं' ने सुनाया तो लोग भाव-विभोर हो गए। इसके बाद मां पर केंद्रित गजल 'वक्त ने राह रोकी कई बार पर, वह तो मां थी जो पहिया घुमाती रही' सुनाया तो लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इसके बाद शनिवार को शोधार्थी दीपशिखा एवं मीनाक्षी उपाध्याय के सौजन्य से पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद शोधार्थी दीपशिखा ने कबीर पर केंद्रित तीन पुस्तकें भेंट की। विभागाध्यक्ष प्रो. गुप्त ने कहा कि विभाग अपने पुस्तकालय को समृद्ध करने के लिए निरंतर प्रयास करता रहता है।

इस दौरान प्रो. अनिल राय, प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी, प्रो. राजेश मल्ल, प्रो. विमलेश मिश्र, प्रो. प्रत्युष दूबे, प्रो. मुन्ना तिवारी, डा. प्रेमव्रत तिवारी, डा. अभिषेक शुक्ल, डा. मनीष पांडेय, डा. नरेंद्र कुमार, डा. अखिल मिश्र, डा. सुनील कुमार, डा. संदीप यादव, डा. ऋतु सागर, डा. प्रियंका नायक, डा. अपर्णा पांडेय तथा प्रो. राजेश सिंह आदि मौजूद रहे।

सर्जिकल स्ट्राइक कर भारत ने कराया सैन्य शक्ति का परिचय

गोरखपुर : विश्वविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रो. श्रीनिवास मणि त्रिपाठी ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक परंपरागत आक्रमणात्मक सिद्धांत पर कार्य करता है। यह दंडात्मक कार्यवाही पर आधारित है। आधुनिक भारत द्वारा लड़े गए युद्ध में भी इस सिद्धांत का प्रयोग किया गया है। भारत ने अपने रणनीतिक सिद्धांत में 'प्रथम आक्रमण नहीं' करने की नीति को अपनाया फिर भी हमारे ऊपर लगातार आतंकी हमले होते रहे हैं। भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक के माध्यम से अपनी सैन्य शक्ति का परिचय पाकिस्तान सहित पूरी दुनिया को कराया।

वह शनिवार को दिग्विजयनाथ पीजी कालेज के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के तत्वावधान में सर्जिकल स्ट्राइक दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह व संचालन डा.राम प्रसाद यादव ने किया।आइक्यूएसी समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह, डा. इंद्रेश पांडेय, डा. निधि राय, डा. त्रिभुवन मिश्र, डा. शुभ्रांशु शेखर सिंह, विकास पाठक, डा. प्रियंका सिंह व डा. श्याम सिंह आदि मौजूद रहे। -विज्ञप्ति

Hindustan
Page - 05, 08

बड़े दिख रहे हैं वे कंधों पे चढ़के, जो सचमुच बड़े हैं वे झुककर खड़े हैं

गोरखपुर, निज संवाददाता। काशी हिन्दी विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष और प्रसिद्ध गजलकार प्रो. वशिष्ठ अनूप ने अपनी गजलों से शनिवार को समां बांध दिया। अवसर था दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि के हिन्दी विभाग में पीएचडी उपाधि के साक्षात्कार का। साक्षात्कार के बाद विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश गुप्त के आग्रह पर पर उन्होंने गजलें प्रस्तुत कीं।

'हर समय जीतने का चढ़ा था नशा, अपने बच्चों से हारा तो अच्छा लगा', 'बड़े दिख रहे हैं वे कंधों पे चढ़के, जो सचमुच बड़े हैं वे झुककर खड़े हैं' ने सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने मां पर केंद्रित खूबसूरत गजल 'वक्त ने राह रोकी कई बार पर, वह तो मां थी जो पहिया घूमाती रही' से माहौल को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर प्रो. अनिल राय, प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी, प्रो. राजेश मल्ल, प्रो. विमलेश मिश्र, प्रो. प्रत्युष दूबे, प्रो. मुन्ना तिवारी, डॉ प्रेमव्रत तिवारी, डॉ अभिषेक शुक्ल, डॉ मनीष पाण्डेय, डॉ नरेन्द्र कुमार, डॉ अखिल मिश्र, डॉ सुनील कुमार, डॉ संदीप यादव, डॉ ऋतु सागर, डॉ प्रियंका नायक, डॉ अपर्णा पाण्डेय, प्रो. राजेश सिंह आदि मौजूद रहे।

समृद्ध हुआ पुस्तकालय

शोधार्थी दीपशिखा ने कबीर पर केंद्रित तीन पुस्तकें भेंट कीं। विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश गुप्त ने कहा कि विभाग अपने पुस्तकालय को समृद्ध करने के लिए निरंतर प्रयास करता रहता है। विभाग के पूर्व एवं वर्तमान शिक्षकों और शोधार्थियों ने ने विभागीय पुस्तकालय को समृद्ध करने के लिए पूर्व में कई पुस्तकें प्रदान की हैं।

शनिवार को डीडीयू में मेधा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 'सफरनामा' का विमोचन के दौरान कुलपति प्रो. पूनम टंडन और अन्य।

हिन्दी विभाग द्वारा किया गया पौधरोपण : हिन्दी विभाग की परंपरा है कि शोधार्थी सफलतापूर्वक पीएचडी उपाधि के लिए साक्षात्कार संपन्न कर लेता है, तो वह विभाग में एक पौधा लगता है। इसमें शिक्षक भी सहयोग करते हैं। इसी के तहत शनिवार को शोधार्थी दीपशिखा एवं मीनाक्षी उपाध्याय के सौजन्य से पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

युवाओं की मदद के लिए तत्पर रहता है मेधा : प्रो. पूनम

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय विवि गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि 'मेधा' युवाओं की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर है। इनके कार्य सराहनीय हैं। अन्य संस्थाओं को इनके कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। वह शनिवार को डीडीयू और मेधा के बीच पिछले दस वर्षों के सहयोग के उत्सव 'सफरनामा' को संबोधित कर रही थीं। मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री के पूर्व मुख्य सलाहकार (सेवानिवृत्त आईएएस) अमरजीत सिन्हा ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि कैसे एक सम्मानजनक आय के लिए विद्यार्थियों को तैयार किया जा सकता है। मेधा के सह-संस्थापक व्योमकेश मिश्र ने गोरखपुर में मेधा के पहले कदमों से लेकर 2600 से अधिक छात्रों को 21वीं सदी के आवश्यक कौशल प्रदान करने की यात्रा साझा की। कॅरियर काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. आलोक कुमार गोयल ने आभार ज्ञापित किया।

74 लाख से होगा गेस्ट हाउस का कायाकल्प

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस के जीर्णोद्धार करीब 74 लाख रुपये से होगा। एक अक्तूबर को निविदा खुलने की तिथि से 18 दिन में काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जीर्णोद्धार के बाद गेस्ट हाउस के सभी कमरे वेल मेंटेन तो हो ही जाएंगे, विश्वविद्यालय की आय भी बढ़ेगी।

विश्वविद्यालय में कुल 54 कमरे हैं। इनमें 29 नॉन एसी और शेष एसी हैं। इसके साथ ही किचेन, भोजनालय, दो डारमेट्री और दो मीटिंग हॉल है। उचित मेंटिनेंस नहीं होने के कारण इनमें से करीब दर्जन भर कमरों की बुकिंग प्रायः नहीं होती है। जीर्णोद्धार के लिए खर्च भी गेस्ट हाउस के हुए आय से ही किया जाएगा। इसे लेकर बीते दिनों टेंडर निकला था।

इसके तहत करीब 31 शौचालयों को तोड़कर नए सिरे से बनाया जाएगा। शौचालयों पर करीब 19 लाख खर्च होंगे। कुलपति और कुलाधिपति कक्ष के जीर्णोद्धार 10.40 लाख खर्च होंगे। भूतल व प्रथम तल और 17 कमरों की मरम्मत व पेंटिंग के लिए करीब 16 लाख खर्च होंगे। बिजली सम्बंधी कार्यों के लिए 5.50 लाख, इंटरलॉकिंग पर 5.20 लाख रुपये, डारमेट्री और किचेन पर करीब 7.50 लाख खर्च किए जाएंगे। एकेडमिक स्टाफ कॉलेज के 29 कमरों की मरम्मत व पेंटिंग पर करीब 10 लाख खर्च होंगे।

- एक अक्तूबर को निविदा खुलने के 18 दिन में काम पूरा करने का लक्ष्य
- दर्जन भर कमरे हैं अभी निष्क्रिय, जीर्णोद्धार से बढ़ जाएगी विवि की आय

> गेस्ट हाउस के जीर्णोद्धार के लिए टेंडर निकला था। एक अक्तूबर को निविदा खुलने के बाद 18 दिन में काम कंप्लीट किया जाएगा। इस दौरान आने वाले अतिथियों के लिए इंटरनेशनल मैत्रेय हॉस्टल में शिफ्ट किया जाएगा। -प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

सेना में चयनित हुए आठ एनसीसी कैडेट

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि में 44वीं वाहिनी एनसीसी ईकाई के आठ कैडेट्स का चयन भारतीय सेना में हुआ है। चयनित कैडेट्स में विवेक जायसवाल, हिमांशु, युवराज सिंह, शिव कुमार साहनी, विशाल यादव, मोहित कुमार, रोहन पासवान और बृजेश गुप्ता शामिल हैं। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कैडेट्स को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए इसे विवि के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह चयन एनसीसी कैडेट्स की कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासन का परिणाम है। एनसीसी प्रभारी कैप्टन प्रो. दिग्विजय नाथ और लेफ्टिनेंट डॉ अनुपम सिंह ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि कैडेट्स के मेहनत, समर्पण एवं एनसीसी के उत्कृष्ट प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास के प्रयासों को दर्शाती है।

बीफॉर्म व डीफॉर्म में 30 से मिलेगा छात्रों का प्रवेश

गोरखपुर। डीडीयू के बीफॉर्म व डीफॉर्म पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रमाण पत्रों का सत्यापन और प्रवेश 30 सितंबर को होगा। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट www. ddug uad mission. in से डाउनलोड कर सकते हैं।

नवीन तकनीक से कैंसर का उपचार संभव

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि 20 साल पहले की तुलना में अब कैंसर से कम लोग मर रहे हैं। प्रारंभिक पहचान और नवीन तकनीक से उपचार कैंसर को ठीक कर रहे हैं और कैंसर से पीड़ित लोगों को लंबे समय तक जीने में मदद कर रहे हैं। कैंसर तब होता है, जब शरीर में कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने और विभाजित होने लगती हैं। प्रो. अशोक शनिवार को डीडीयू के प्राणी विज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

Amar Ujala
Page - 07

डीडीयू के गेस्ट हाउस का 74 लाख से होगा जीर्णोद्धार

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस का 74 लाख रुपये से जीर्णोद्धार होगा। इसके बाद गेस्ट हाउस के सभी कमरे वेल मेंटेन तो हो ही जाएंगे, विश्वविद्यालय की आय भी बढ़ेगी।

विश्वविद्यालय में कुल 54 कमरे हैं। इनमें 29 नॉन एसी और शेष एसी हैं। इसके साथ ही किचेन, भोजनालय, दो डॉरमेट्री और दो मीटिंग हॉल है। जीर्णोद्धार के लिए खर्च भी गेस्ट हाउस के हुए आय से ही किया जाएगा। इसे लेकर बीते दिनों टेंडर निकला था।

इसके तहत करीब 31 शौचालयों को तोड़कर नए सिरे से बनाया जाएगा। शौचालयों पर करीब 19 लाख खर्च होंगे। कुलपति और कुलाधिपति कक्ष के जीर्णोद्धार 10.40 लाख खर्च होंगे।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि गेस्ट हाउस के जीर्णोद्धार के लिए टेंडर निकला था। एक अक्तूबर को निविदा खुलने के बाद 18 दिन में काम पूरा हो जाएगा।

विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में कुल 54 कमरे, इनमें 29 नॉन एसी और शेष एसी

भारतीय सेना में चयनित हुए डीडीयू के आठ एनसीसी कैडेट्स

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में 44वीं वाहिनी एनसीसी इकाई के आठ कैडेट्स का चयन भारतीय सेना में हुआ है। चयनित कैडेट्स में विवेक जायसवाल, हिमांशु, युवराज सिंह, शिव कुमार साहनी, विशाल यादव, मोहित कुमार, रोहन पासवान और बृजेश गुप्ता शामिल हैं।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कैडेट्स को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह चयन एनसीसी कैडेट्स की कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासन का परिणाम है। एनसीसी प्रभारी प्रो. (कैप्टन) दिग्विजय नाथ और डॉ. (लेफ्टिनेंट) अनुपम सिंह ने भी कैडेट्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि कैडेट्स की मेहनत और समर्पण को दर्शाती है। संवाद

प्रारंभिक पहचान से कैंसर का उपचार संभव

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि 20 साल पहले की तुलना में अब कैंसर से कम लोग मर रहे हैं। प्रारंभिक पहचान और नवीन तकनीक से उपचार कैंसर को ठीक कर रहे हैं। प्रो. अशोक शनिवार को प्राणि विज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। संवाद

"सफरनामा" में दिखी दस वर्षों की यात्रा

गोरखपुर। मेधा और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे ''सफरनामा'' का शनिवार को समापन हुआ। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत के बाद फिल्म के माध्यम से मेधा के दस वर्षों की यात्रा को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने मेधा के वर्तमान कार्यों पर प्रकाश डाला।

इसके पूर्व मेधा के सह-संस्थापक व्योमकेश मिश्रा ने शहर में मेधा के पहले कदमों से लेकर 2600 से अधिक छात्रों के आवश्यक कौशल प्रदान करने की यात्रा साझा की। इस अवसर पर पूर्व छात्रों ने अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा किए। कॅरिअर काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. आलोक कुमार गोयल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समाप्त हुआ। संवाद

Amar Ujala Select
Page 02, 04

डीडीयू : नवीन तकनीक व प्रारंभिक पहचान से कैंसर का उपचार संभव

विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि 20 साल पहले की तुलना में अब कैंसर से कम लोग मर रहे हैं। प्रारंभिक पहचान और नवीन तकनीक से उपचार कैंसर को ठीक कर रहे हैं और कैंसर से पीड़ित लोगों को लंबे समय तक जीने में मदद कर रहे हैं। कैंसर तब होता है, जब शरीर में कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने और विभाजित होने लगती हैं।

प्रो. अशोक शनिवार को विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कैंसर के कारण, लक्षण, विश्लेषण, निदान एवं रोकथाम पर विस्तार से जानकारी दी। कैंसर के 100 से ज्यादा प्रकार हैं। स्वास्थ्य सेवा प्रदाता उन्हें आपके शरीर में कहां से शुरू होते हैं और किस तरह के उत्तकों को प्रभावित करते हैं, उसके अनुसार वर्गीकृत करते हैं।

पोस्टर का विमोचन करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन, पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार, प्रो. आलोक गोयल, अमरजीत सिंह व अन्य।

मेधा के सफरनामा में दिखी दस वर्षों की यात्रा

गोरखपुर। मेधा और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे 'सफरनामा' का शनिवार को समापन हुआ। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत के बाद फिल्म के माध्यम से मेधा के दस वर्षों की यात्रा को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने मेधा के वर्तमान कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने मेधा के युवाओं के लिए सहायक होने की बात विस्तार से बताया। इसके पूर्व मेधा के सह-संस्थापक व्योमकेश मिश्रा ने शहर में मेधा के पहले कदमों से लेकर 2600 से अधिक छात्रों को आवश्यक कौशल प्रदान करने की यात्रा साझा की। इस अवसर पर पूर्व छात्रों ने अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा किए। कॅरिअर काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. आलोक कुमार गोयल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गेस्ट हाउस का 74 लाख रुपये से होगा जीर्णोद्धार

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस का 74 लाख रुपये से जीर्णोद्धार होगा। इसके बाद गेस्ट हाउस के सभी कमरे वेल मेंटेन तो हो ही जाएंगे, विश्वविद्यालय की आय भी बढ़ेगी। विश्वविद्यालय में कुल 54 कमरे हैं। इनमें 29 नॉन एसी और शेष एसी हैं। इसके साथ ही किचेन, भोजनालय, दो डॉरमेट्री और दो मीटिंग हॉल है। जीर्णोद्धार के लिए खर्च भी गेस्ट हाउस के हुए आय से ही किया जाएगा। इसे लेकर बीते दिनों टेंडर निकला था। इसके तहत करीब 31 शौचालयों को तोड़कर नए सिरे से बनाया जाएगा। शौचालयों पर करीब 19 लाख खर्च होंगे। कुलपति और कुलाधिपति कक्ष के जीर्णोद्धार 10.40 लाख खर्च होंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि गेस्ट हाउस के जीर्णोद्धार के लिए टेंडर निकला था। एक अक्तूबर को निविदा खुलने के बाद 18 दिन में काम पूरा हो जाएगा।

Inext Page - 01, 04

कैंसर के प्रति हर व्यक्ति को सचेत होने की जरूरत

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (28 Sept): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.अशोक कुमार ने कहा कि आज पूरे विश्व में कैंसर से ग्रसित लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. एक लाख में 90 शहरी व 40 से 45 लोग ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर से पीड़ित हैं. ऐसे में हर व्यक्ति को कैंसर के प्रति सचेत होने की जरूरत है.वह शनिवार को गोवि के प्राणी विज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कैंसर के कारण, लक्षण, विश्लेषण, निदान एवं रोकथाम पर विस्तार से जानकारी दी. बताया कि कैंसर के 100 से ज्यादा प्रकार हैं. स्वास्थ्य सेवा प्रदाता उन्हें आपके शरीर में कहां से शुरू होते हैं और किस तरह के उत्तकों को प्रभावित करते हैं, उसके अनुसार वर्गीकृत करते हैं. उन्होंने कहा कि 20 साल पहले की तुलना में अब कैंसर से कम लोग मर रहे हैं. प्रारंभिक पहचान व नवीन तकनीक से उपचार कैंसर को ठीक कर रहे हैं.इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रो. रविकांत उपाध्याय, प्रो.अजय सिंह, प्रो.वीना बत्रा कुशवाहा, प्रो. विनय सिंह, प्रो.उमेश नाथ त्रिपाठी, प्रो. दिनेश यादव, प्रो.शिवाकांत सिंह, प्रो.सुनील श्रीवास्तव, प्रो.आलोक गोयल, डा.एमपी सिंह. डा. स्मिता सिंह तथा डा. सुनैना गौतम आदि मौजूद रहे.

डीडीयू के आठ एनसीसी कैडेट्स सेना में चयनित

GORAKHPUR (28 Sept): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 44वीं वाहिनी एनसीसी ईकाई के आठ कैडेट्स भारतीय सेना में चयनित हुए हैं. चयनित कैडेट्स में विवेक जायसवाल, हिमांशु, युवराज सिंह, शिव कुमार साहनी, विशाल यादव, मोहित कुमार, रोहन पासवान और बृजेश गुप्ता शामिल हैं. कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कैडेट्स को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण बताया. उन्होंने कहा कि यह चयन एनसीसी कैडेट्स की कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासन का परिणाम है. एनसीसी प्रभारी प्रो. (कैप्टन) दिग्विजय नाथ और डा.(लेफ्टिनेंट) अनुपम सिंह ने भी कैडेट्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि कैडेट्स के मेहनत, समर्पण एवं एनसीसी के उत्कृष्ट प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास के प्रयासों को दर्शाती है.

युवाओं की मदद के लिए हमेशा तत्पर

GORAKHPUR (28 Sept): दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर की कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि मेधा युवाओं की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर है. इनके कार्य सराहनीय हैं. पूर्व कुलपति प्रोफेसर अशोक कुमार ने मेधा करियर सेंटर के उद्घाटन के पल याद करते हुए समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया. मेधा के सह-संस्थापक व्योमकेश मिश्रा ने गोरखपुर में मेधा के पहले कदमों से लेकर 2600 से अधिक छात्रों को 21वीं सदी के आवश्यक कौशल प्रदान करने की यात्रा साझा की. उन्होंने कहा कि यह आयोजन कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित हुआ.

Rashtriya Sahara
Page 10

देश की प्रगति को महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी

गोरखपुर(एसएनबी)। देश में महिलाओं की साक्षरता दर को बढ़ाने की जरूरत है। महिलाओं की शैक्षिक स्थिति सुदृढ़ होगी तभी देश आर्थिक रूप से प्रगति कर सकेगा। महिला साक्षरता की दृष्टि से दक्षिण भारत काफी समृद्ध है तभी वहां की महिलाएं अधिक सक्रिय हैं।

- डीडीयू व मेधा के संयुक्त एक दशक पर 'सफरनामा' का आयोजन
- कौशल सीखने में युवाओं की मदद कर रहा मेधाः प्रो. पूनम टंडन
- विद्यार्थियों को समग्र शिक्षा देने की आवश्यकताः प्रो. अशोक कुमार

यह बातें अमरजीत सिन्हा मुख्य पूर्व सलाहकार प्रधानमंत्री एवं पूर्व सेक्रटरी एमआरडी ने कहीं। वे शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और मेधा के बीच पिछले दस वर्षों के सहयोग का उत्सव 'सफरनामा' कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि कैसे एक सम्मानजनक आय के लिए विद्यार्थियों को तैयार किया जा सकता है। उन्होंने अपने 95 जिलों में किये गये कार्यों और उनके अनुभवों को भी साझा किया।

विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में मेधा सहयोग उत्सव कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो पूनम टंडन, पूर्व कुलपति प्रो अशोक कुमार, अमरजीत सिन्हा प्रो. आलोक कुमार गोयल व व्योमकेश मिश्रा।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डीडीयू की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने मेधा के वर्तमान कार्यों पर प्रकाश डाला और बताया कि यह कैसे गोरखपुर के युवाओं की मदद कर रहा है। पूर्व कुलपति प्रोफेसर अशोक कुमार ने मेधा करियर सेंटर के उद्घाटन के पल याद करते हुए समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में एक फिल्म प्रदर्शित की गई, जिसमें मेधा की दस वर्षों की यात्रा को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर पूर्व छात्रों ने अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा किए। प्रोफेसर आलोक कुमार गोयल, समन्वयक करियर काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मेधा के सह-संस्थापक व्योमकेश मिश्रा ने गोरखपुर में मेधा के पहले कदमों से लेकर 2600 से अधिक छात्रों को 21वीं सदी के आवश्यक कौशल प्रदान करने की यात्रा साझा की।

भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक से अपनी सैन्य शक्ति का परिचय दिया

गोरखपुर(एसएनबी)। सर्जिकल स्ट्राइक 'परंपरागत आक्रमणात्मक सिद्धांत' पर कार्य करता है। आधुनिक भारत द्वारा लड़े गए युद्ध में भी इस सिद्धांत का प्रयोग किया गया है। भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक के मायम से अपनी सैन्य शक्ति का परिचय पाकिस्तान सहित पूरी दुनिया को कराया। जिसमें गुप्तचर विभाग की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।

- डीवीएनपीजी कालेज में सर्जिकल स्ट्राइक दिवस की पूर्व संध्या पर व्याख्यान

यह बातें प्रो. श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग डीडीयू ने कहीं। वे शनिवार को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक दिवस की पूर्व संध्या पर विशिष्ट व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि पाकिस्तान अपने उत्पत्ति काल से ही भारत की सुरक्षा को चुनौती देता रहा है, जो प्रतिस्पर्धी न होकर शत्रुरुपता कायम किए हुए हैं।

कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने किया तथा इस अवसर पर प्रो. परीक्षित सिंह, समन्वयक, आईक्यूएसी, डॉ. इंद्रेश कुमार पांडे, डा. निधि राय, डा. त्रिभुवन मिश्रा सहित महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विभागीय छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

'... वह तो मां थी जो पहिया घुमाती रही'

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में पुस्तक पौधे व गजलों का ऐसा अनूठा त्रिकोणीय सौंदर्य उतरा, की सभी उसके मुरीद हो गए। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष व प्रतिष्ठित गजलकार प्रो. वशिष्ठ अनूप पीएचडी उपाधि के लिए साक्षात्कार लेने हिंदी विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय पहुंचे थे। साक्षात्कार के उपरांत ऐसा वातावरण बना कि उन्हें उपस्थित लोगों की भारी डिमांड पर अपनी गजलें सुनाकर लोगों को खूब आनंदित किया।

- काशी हिंदू विवि. के प्रोफेसर एवं गजलकर वशिष्ठ अनूप ने बांधी समां
- पीएचडी का साक्षात्कार संपन्न हुआ तो चला गजलों का दौर
- हिंदी विभाग के प्रोफेसरों ने पौधरोपण भी किया

साक्षात्कार संपन्न होने के बाद हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर कमलेश गुप्त के निवेदन पर उन्होंने सुनाया कि 'हर समय जीतने का चढ़ा था नशा, अपने बच्चों से हारा तो अच्छा लगा'। उन्होंने आगे सुनाया 'बड़े दिख रहे हैं वे कंधों पे चढ़के, जो सचमुच बड़े हैं वे झुककर खड़े हैं'। वे यहीं नहीं थमे, मां पर केंद्रित एक खूबसूरत गजल 'वक्त ने राह रोकी कई बार पर, वह तो मां थी जो पहिया घुमाती रही' लोगों के दिलों को छू गयी। उन्होंने अपनी गजलों से वातावरण को काफी कोमल और खूबसूरत बना दिया। इस दौरान विभाग के सभी सदस्य उपस्थित थे और सभी ने मुक्त कंठ से उनके गजलों की प्रशंसा की।हिंदी विभाग की एक अनूठी पहल है कि जो शोधार्थी सफलतापूर्वक अपने पीएचडी उपाधि हेतु साक्षात्कार को संपन्न कर लेता है तो वह स्वेच्छा से विभाग में एक पौधा लगाता है, जिसमें विभाग के सभी सदस्य सहयोग करते हैं। इसी के तहत आज हिंदी विभाग में शोधार्थी दीपशिखा एवं मीनाक्षी उपाध्याय के सौजन्य से पौधरोपण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।

दोनों शोधार्थियों ने पुस्तकालय को दीं पुस्तकें

हिंदी विभाग अपने विभागीय पुस्तकालय को समृद्ध करने के लिए विविध तरह के प्रयत्न निरंतर करता रहता है। विभाग के पूर्व एवं वर्तमान शिक्षकों ने विभागीय पुस्तकालय को समृद्ध करने हेतु पूर्व में कई पुस्तकें प्रदान की हैं। इसी कड़ी में शनिवार को विभागीय पुस्तकालय को शोधार्थी मीनाक्षी उपाध्याय तथा दीपशिखा द्वारा तीन पुस्तक कबीर पर केंद्रित प्राप्त हुई हैं।

Swatantra Chetna
Page 02, 05

कौशल विकास और रोजगार में युवाओं की मदद कर रहा है मेधाः कुलपति

☐ सफरनामाः विश्वविद्यालय और मेधा का 10 वर्षों का सहयोग उत्सव

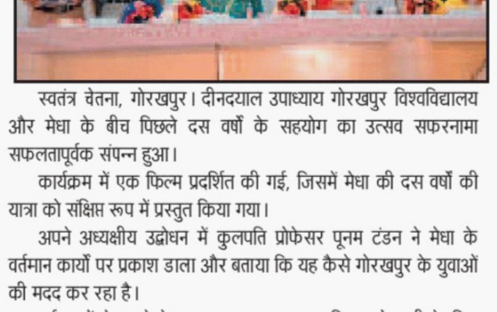

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और मेधा के बीच पिछले दस वर्षों के सहयोग का उत्सव सफरनामा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में एक फिल्म प्रदर्शित की गई, जिसमें मेधा की दस वर्षों की यात्रा को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया गया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने मेधा के वर्तमान कार्यों पर प्रकाश डाला और बताया कि यह कैसे गोरखपुर के युवाओं की मदद कर रहा है।

पूर्व छात्रों ने अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा किए, जो सभी के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरणा बने। यह आयोजन कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। करियर काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. आलोक कुमार गोयल ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया। मेधा के सह-संस्थापक व्योमकेश मिश्रा ने गोरखपुर में मेधा के पहले कदमों से लेकर 2600 से अधिक छात्रों को 21वीं सदी के आवश्यक कौशल प्रदान करने की यात्रा साझा की।

हिंदी विभाग ने की पुस्तक, पर्यावरण व गजल की अनूठी पहल

☐ पुस्तक, पौधे व गजलों के त्रिकोणीय सौंदर्य से वातावरण हुआ गुलजार

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में पीएचडी उपाधि हेतु साक्षात्कार लेने के लिए आए, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष व प्रतिष्ठित गजलकार प्रो. वशिष्ठ अनूप ने शनिवार को छात्रों के साक्षात्कार के उपरांत अपनी गजलों की झलकियां भी सुनाई। पुस्तक पौधे व गजलों का ऐसा अनूठा त्रिकोणीय सौंदर्य उतरा, की सभी उसके मुरीद हो गए।

छात्रों के साक्षात्कार संपन्न होने के उपरांत अध्यक्ष प्रो कमलेश गुप्त के निवेदन पर उन्होंने अपनी गजलें प्रस्तुत की। उनकी गजल हर समय जीतने का चढ़ा था नशा, अपने बच्चों से हारा तो अच्छा लगा, और बड़े दिख रहे हैं वे कंधों पे चढ़के, जो सचमुच बड़े हैं वे झुककर खड़े हैं जैसे अनूठे गजलों ने सभी को मुग्ध कर दिया। इस दौरान विभाग के सभी सदस्य उपस्थित थे।

शोधार्थियों ने विभाग में किया पौधरोपण

हिंदी विभाग की एक अनूठी पहल है कि जो शोधार्थी सफलतापूर्वक अपने पीएचडी उपाधि हेतु साक्षात्कार को संपन्न कर लेता है, वह स्वेच्छा से विभाग में एक पौधा लगाता है, जिसमें विभाग के सभी सदस्य सहयोग करते हैं। इसी के तहत आज हिंदी विभाग में शोधार्थी दीपशिखा एवं मीनाक्षी उपाध्याय के सौजन्य से पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

वि.वि.के 8 एनसीसी कैडेट्स, भारतीय सेना में चयनित

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 44 वीं वाहिनी एनसीसी ईकाई के 8 एनसीसी कैडेट्स का चयन भारतीय सेना में हुआ है। चयनित कैडेट्स में विवेक जायसवाल, हिमांशु, युवराज सिंह, शिव कुमार सहानी, विशाल यादव, मोहित कुमार, रोहन पासवान, और बृजेश गुप्ता शामिल हैं।

कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने कैडेट्स को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह चयन एनसीसी कैडेट्स की कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासन का परिणाम है। एनसीसी प्रभारी प्रो . (कैप्टन) दिग्विजय नाथ और लेफ्टिनेंट डॉ. अनुपम सिंह ने भी कैडेट्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि कैडेट्स के मेहनत, समर्पण एवं एनसीसी के उत्कृष्ट प्रशिक्षण तथा नेतृत्व विकास के प्रयासों को दशार्ती है।